मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 230 ■ गुरुवार, 5 दिसंबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ANDROID APP ON Google play /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

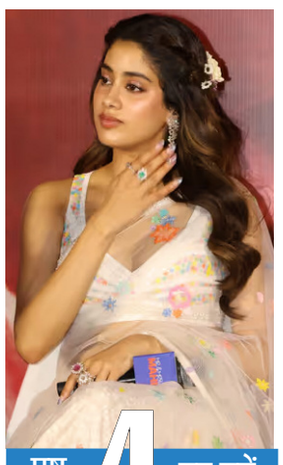

जान्हवी ने पहनी रूमर्ड बॉयफ्रेंड के नाम की टी-शर्ट

संक्षेप...

कल्याण में 7 लाख का गुटखा जब्त

कल्याण. महात्मा फुले पुलिस स्टेशन क्षेत्र में प्रतिबंधित गुटखा के एक गोदाम पर छापा मारकर पुलिस ने 7 लाख रुपये का गुटखा जब्त किया है. इस मामले में तीन गुटखा माफियाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पुलिस उपायुक्त की टीम ने जहांगीर शेख नाम के आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है. जबकि मुनव्वर खान और जीशान खान फरार बताए जा रहे हैं. कल्याण के सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे ने बताया कि परिमंडल-3 के पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे की टीम को प्रतिबंधित गुटखा के बारे में गुप्त सूचना मिली थी. इस जानकारी के आधार पर पुलिस उपायुक्त की एक टीम ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर छापा मारा और 6 लाख 68 हजार 570 रुपये का गुटखा जब्त किया. सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे के मुताबिक जब्त किए गए गुटकों में दस अलग-अलग तरह के गुटखे शामिल हैं.

अब मनपा चुनाव की चर्चा

विधानसभा चुनाव के बाद नागरिक कर रहे महानगर पालिका चुनाव का इंतजार

कडोंमनपा चुनाव

कल्याण. कल्याण डोंबिवली मनपा के नगरसेवकों का कार्यकाल खत्म हुए एक टर्म बीत चुका है और इन पांच वर्षों में मनपा पर प्रशासनिक नियम लागू किया गया है. इस दौरान चार आयुक्तों ने प्रशासक के रूप में कार्यकाल संभाला है। इस बीच विधानसभा के बचे हुए चुनावों के मद्देनजर कल्याण-डोंबिवली मनपा चुनाव की चर्चा शुरू हो गई है. वर्तमान समय में कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के स्मार्ट सिटी में आने के बाद भी नागरिकों की समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं और आम नागरिक इन समस्याओं से घिरते जा रहे हैं. कल्याण-डोंबिवली मनपा का कार्यकाल 11 नवंबर 2020 को समाप्त हो गया और 12 नवंबर 2020 से कल्याण डोंबिवली मनपा पर प्रशासनिक नियम लागू कर दिया गया है। मनपा का कार्यकाल समाप्त हुए चार वर्ष बीत गये हैं. राज्य के सबसे महत्वपूर्ण महानगर पालिका का प्रशासन चार साल से बिना जन प्रतिनिधियों के ही चल रहा है.

प्रशासकों द्वारा अब तक इस मनपा के चार बजट पेश किये जा चुके हैं। करोड़ों के कार्य स्वीकृत किये गये, शासनादेश दिये गये। मनपा चुनाव 11 नवंबर, 2020 को होने की उम्मीद थी। लेकिन इन चार सालों में राज्य की राजनीति में बड़े घटनाक्रमों के कारण मनपा चुनाव भी रुके रहे. लेकिन अब विधानसभा चुनाव हो गए हैं और बीजेपी और महागठबंधन को बड़ी सफलता मिली है. इसलिए संभावना है कि जल्द ही मनपा चुनाव होंगे. ऐसी भी उम्मीद जताई जा रही है कि ये चुनाव मई महीने से पहले हो जाएंगे. हालांकि कल्याण डोंबिवली मनपा चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक दलों के साथ-साथ यहां का प्रशासन भी चुनाव की तैयारी में जुटा हुआ है.

18 गांवों का प्रश्न अभी भी लंबित

कल्याण डोंबिवली मनपा के चुनाव की घोषणा हो चुकी है, लेकिन महानगर पालिका के 18 गांवों का मामला सुप्रीम कोर्ट में फैसले के लिए लंबित है। ऐसे में यदि शासन के आदेश से मनपा चुनाव की घोषणा हो गयी तो सवाल उठता है कि 18 गांवों का क्या होगा?

■ महानगर पालिका चुनावी बयार...

राज्य में कल्याण–डोंबिवली मनपा चुनाव हमेशा चर्चा में रहता है। यहां हर पार्टी अंतिम व्यक्ति तक पार्टी को पहुंचाने और महानगर पालिका पर कब्जा करने के लिए पुरजोर कोशिश करती है. इस चुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है. हालांकि, इस वक्त यहां चुनावी बयार चल रही है. भविष्य में कितने विभाग होंगे? उसी के अनुरूप चुनाव कराया जाएगा। लेकिन कल्याण डोंबिवली शिवसेना का गढ़ बना हुआ है. क्या ऐसे में बीजेपी सत्ता परिवर्तन कर पाएगी? ये देखना अहम होगा.

अंबरनाथ में दर्दनाक घटना

आवारा कुत्ते ने मासूम बच्चे पर किया हमला

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ा

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है. शहर पश्चिम के बुवापाड़ा में एक दर्दनाक घटना हुई है. एक चार वर्षीय बच्चे पर एक आवारा कुत्ते ने हमला करके उसे जमीन पर गिरा कर काटने लगा. पड़ोस की महिला ने भाग कर जाकर उस बच्चे को बचाया. बच्चा घायल हो गया है. अगर महिला उसे बचाने में थोड़ी भी देर कर देती तो बच्चा ज्यादा घायल हो गया होता.

वहीं दूसरी घटना अंबरनाथ पश्चिम के खुंटवली में हुई है. यहां से आवारा कुत्ते ने एक बच्चे को काटकर जख्मी कर दिया. गंभीर रूप से घायल बच्चे की हालत खराब बताई जा रही है.

■ रात में सड़क पर पैदल सफर करना मुश्किल

शहर में हर एक चौक, रास्ते, गली–कूचे में आवारा कुत्तों की गैंग देखी जा रही है. रात में सड़क पर पैदल सफर करना मुश्किल हो गया है. स्कूली बच्चे इन कुत्तों की गैंग देखकर घबरा रहे हैं. स्कूल से घर और घर से स्कूल पैदल जाने के लिए बच्चे घबरा रहे हैं. रात में स्कूटर सवार और पादचारियों पर ये भौंकते हैं और उन्हें काटने के लिए दौड़ पड़ते हैं. अंबरनाथ नपा ने उत्कर्ष एनिमल संस्था को कुत्तों को पकड़ने, उनका आपरेशन, दवाई उपचार के लिए ठेका दिया है, लेकिन ये संस्था बिल्कुल भी काम नहीं कर रही है, जिसके कारण शहर में आवारा कुत्तों की भरमार हो गई है. इन कुत्तों ने शहर में आतंक फैला रखा है. एक वर्ष पूर्व शहर पश्चिम में एक आवारा कुत्ते ने 42 लोगों को काटा था. उसके बाद भी प्रशासन जागा नहीं है. छाया उपजिला अस्पताल में हर दो दिन में कई लोग रैबीज का इंजेक्शन लेने के लिए आ रहे हैं.

स्कूल शिक्षिका द्वारा विद्यार्थी की पिटाई

- ■ साउथ इंडियन स्कूल की घटना
- ■ शिक्षिका सस्पेंड,
- ■ पुलिस में अपराध दर्ज

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के साउथ इंडियन स्कूल में दूसरी कक्षा के छात्र को इंग्लिश का एक शब्द ठीक ढंग से ना पढ़ने के कारण क्लास टीचर विजयाश्री ने लकड़ी के रोल से हाथ और पैर पर इतना मारा कि लड़का घर जाने के बाद बीमार पड़ गया. उसे बुखार चढ़ गया. अब मासूम लड़का स्कूल जाने से घबरा रहा है. वह घबराया हुआ है. गत कई दिनों से वह स्कूल नहीं जा रहा है. बच्चे की माता ने हमें ऐसा बताया है. लड़के की माता अश्विनी चंद्रकांत दिघे (32) जो खुंटवली गणेश नगर की निवासी है, उसने स्कूल शिक्षिका विजयाश्री पर अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में दफा 118 (1) के अनुसार अपराध दर्ज कराया है. स्कूल प्रशासन ने शिक्षिका विजयाश्री को सस्पेंड कर दिया है. स्कूल की तरफ से भी जांच की जा रही है. ऐसी जानकारी हमें साउथ इंडियन स्कूल के अध्यक्ष शशि पिल्लै ने दी है.

ये घटना 28 नवंबर की है. इंग्लिश पढ़ते समय विद्यार्थी सुजय दिखे (7) एक शब्द ठीक तरीके से पढ़ नहीं पा रहा था. इससे नाराज शिक्षिका विजयाश्री ने सुजय के हाथ, पैर और पीठ पर इतना जोर-जोर से मारा कि उसके पैर, हाथ, पीठ पर रक्त के लाल निशान आ गए. शाम में जब वह घर गया तो मां अश्विनी ने देखा कि उसे बुखार चढ़ा हुआ है. वह तुरंत उसे दवाखाना ले गई. दवाखाने से वापस आने के बाद बच्चे ने मां को बताया कि शिक्षिका ने उसे लकड़ी से मारा है. अश्विनी ने दूसरे दिन पुलिस में जाकर शिकायत की है. बच्चा मार के कारण डरा, सहमा हुआ है. वह कई दिनों से स्कूल भी नहीं गया है. वह अपनी मां से कहता है कि स्कूल में मुझे फिर से मारा जाएगा. शिक्षिका को स्कूल प्रशासन ने सस्पेंड कर दिया है. पुलिस भी जांच कर रही है.

उल्हासनगर में बड़े वाहनों की अवैध पार्किंग से यातायात जाम

- ■ समाजसेवक दिलीप राजवानी ने की पुलिस प्रशासन से शिकायत

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में बड़े वाहनों जिसमें ट्रक, टेम्पो व ट्रांसपोर्ट की अवैध पार्किंग मुख्य सड़कों पर होने से शहर में यातायात की समस्या उत्पन्न हो रही है। लेकिन इस पर पुलिस व प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

समाजसेवक दिलीप राजवानी ने पुलिस व प्रशासन को पत्र लिखकर विट्ठलवाड़ी स्टेशन रोड, शांतिनगर, केबी रोड आदि जगहों पर अवैध रूप से बड़े वाहनों द्वारा पार्किंग की जा रही है जिस कारण इन पहले से ही छोटे रास्तों पर ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। इन वाहनों पर तुरंत कार्रवाई की मांग दिलीप राजवानी ने मनपा आयुक्त तथा ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक से लिखित रूप में की गई है।

■ कैम्प-1 इंदिरा गांधी गार्डन में ट्रांसपोर्ट टर्मिनल

बड़े वाहनों की समस्या पिछले कई वर्षों से निवासी क्षेत्र कैम्प 1 इंदिरा गांधी गार्डन में भी देखने को मिल रही है। इस क्षेत्र में छोटा हाथी व टेम्पो द्वारा यातायात पूरी तरह जाम किया जाता है। इस निवासी क्षेत्र में दिन–रात मजदूरों के चिल्लाने झगड़ों के साथ मशीनों की आवाजें व ट्रांसपोर्ट गाड़ियों की आवाज से लोग परेशान हैं। इसकी शिकायत पर स्थानीय निवासियों ने मनपा आयुक्त व ट्रैफिक पुलिस से की है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 8 दिसंबर को

उल्हासनगर. मनपा द्वारा 8 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाले उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की तैयारी के लिए मंगलवार, 3 दिसंबर को एक बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक प्रशासक व आयुक्त विकास ढाकणे की अध्यक्षता में महासभा सभागृह, उल्हासनगर मनपा में दोपहर 12 बजे हुई। बैठक में वैद्यकीय स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहिनी धर्मा ने अभियान के लिए 57,914 लाभार्थियों की जानकारी दी और 263 बूथ व 177 टोमरों के साथ घर-घर जाकर टीकाकरण की योजना पर चर्चा की। इसके बाद डॉ. किशोर चव्हाण, सर्वोलन्स मेडिकल ऑफिसर ने पल्स पोलियो टीकाकरण और नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक के अध्यक्ष विकास ढाकणे ने बैठक में चर्चा के दौरान निम्नलिखित निर्देश दिए।

आधारवाड़ी जेल में मारपीट 7 के खिलाफ मामला दर्ज

- ■ कैदी की आंख और सिर गंभीर रूप से जख्मी

कल्याण. आधारवाड़ी जेल में मंगलवार सुबह एक न्यायिक बंदी को सात अन्य दोषियों ने पत्थरों और बाल्टी से पीटा। इस पिटाई में एक कैदी की आंख और सिर गंभीर रूप से जख्मी हो गये. इस मामले में न्यायिक निरोधक आदेश के आधार पर महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, हरियाणा के रेलवे सुरक्षा बल में कार्यरत एक जवान रिमांड के तौर पर आधारवाड़ी जेल में बंद है. संबंधित न्यायबंदी जवान मंगलवार की सुबह जेल के सार्वजनिक नल पर खड़ा था. उसके बगल में एक और बंदी खड़ा था. यह बंदी जेल की आंतरिक सेवा में वार्डन के रूप में काम करता है। अचानक जेल के सात अन्य कैदी गार्ड की ओर दौड़ पड़े। इससे पहले कि वे कैदी गार्ड को पीट पाते, जवान ने हस्तक्षेप किया और सभी सात लोगों को वहां से वापस भेज दिया। इन सब बातों से सातों कैदी नाराज हो गए.

इस घटना के बाद न्यायबंदी जवान शौचालय में चला गया. जब जवान शौचालय से बाहर आया तो सातों कैदियों ने उन्हें पत्थरों और बाल्टियों से पीटा. इस पिटाई में कैदी की आंखें और सिर जख्मी हो गये.

कसारा लोकल ट्रेन में यात्री पर हमला करनेवाले आरोपी की जमानत खारिज

कल्याण. टिटवाला और वासिंद के बीच कल्याण-कसारा लोकल में यात्रा करते समय एक यात्री और उसके तीन साथियों पर चार लोगों ने जानलेवा हमला किया। ये घटना अप्रैल महीने की है. हमले में गंभीर रूप से घायल यात्री की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. इस मामले में दो लोगों को कल्याण रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया था. इसके बाद वह जमानत पर बाहर आ गये. हत्या का मामला दर्ज होते ही पुलिस ने इन दोनों लोगों को दोबारा गिरफ्तार कर लिया. कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर. जी. वाघमारे ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दिया.

जब लोकल में एक यात्री की पिटाई हो रही थी तो एक जागरूक यात्री ने मोबाइल फोन से पिटाई का वीडियो बना लिया. उन्होंने ये फुटेज सोशल मीडिया पर शेयर किया. पिटाई में गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ने वाले दत्तात्रेय भोईर के परिजनों ने सोशल मीडिया पर फुटेज के आधार पर इस मामले में हत्यारों को सजा देने की मांग कोर्ट से की है. एड. सागर कदम ने कोर्ट में याचिका दायर की. गंभीर रूप से घायल यात्री दत्तात्रेय भोईर की बाद में मृत्यु के बाद प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हत्यारे तनुज जम्मूवाल सहित तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया। जैसे ही तनुज और उसके साथी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया, दोनों संदिग्ध, जो जमानत पर बाहर थे, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद तनुज ने कल्याण के जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन किया। कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर. जी. वाघमारे ने भी नोटिस लिया. दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने हत्यारोपी तुनज की जमानत अर्जी खारिज कर दी। इस मामले में दो लोग अभी भी फरार हैं.

स्कूली खिलाड़ियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

- ■ खेल विभाग ने उठाया महत्वपूर्ण कदम
- ■ मनपा आयुक्त ने की बैठक

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए मनपा खेल विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मनपा आयुक्त और प्रशासक विकास ढाकने की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक में स्कूली एथलीटों और नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाएं प्रदान करने का निर्णय लिया गया। खेल शिक्षकों, प्रशिक्षकों और समिति सदस्यों की भागीदारी से आयोजित इस सेमिनार में शहर में खेल मैदानों के विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं प्रस्तुत की गईं।

उल्हासनगर शहर के स्कूली खिलाड़ियों और नागरिकों को उत्कृष्ट खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए महानगर पालिका ने ठोस कदम उठाए हैं। टेबल टेनिस कोर्ट, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन कोर्ट, राइफल शूटिंग रेंज, खो-खो और कबड्डी जैसी खेल सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए मनपा आयुक्त तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर आयुक्त विकास ढाकने ने कहा कि हमारी प्राथमिकता उल्हासनगर शहर में प्रत्येक खिलाड़ी के लिए गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाएं तैयार करना है।

बैठक में शहर में खेल मैदानों, प्रबंधन, खेल उपकरणों की कमी के साथ-साथ खिलाड़ियों की प्रगति के लिए जरूरी उपायों पर चर्चा की गयी. खेल शिक्षकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जबकि प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया.

उक्त बैठक में अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, उपआयुक्त विशाखा मोटघरे, नगररचनाकार ललित खोब्रागडे, मुख्य लेखा अधिकारी किरण भिल्लारे, महापालिका सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी, कर निर्धारक एवं संकलन अधिकारी निलम कदम, जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगळे, गणेश शिंपी, यशवंत सगळे, शांताराम चौधरी समेत शिक्षक, प्रशिक्षक, क्रीडा समिति सदस्य एवं समाजसेवक उपस्थित थे.

मनपा की इस पहल से उल्हासनगर शहर के खेल मैदान को एक नई दिशा मिलेगी. यह योजना स्थानीय खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करेगी और शहर को खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने में मदद करेगी। उल्हासनगर नगर निगम द्वारा लिए गए इन सकारात्मक निर्णयों से स्थानीय खेल क्षेत्र के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है।

हमारा मुख्य लक्ष्य उल्हासनगर के स्कूली एथलीटों और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाएं प्रदान करना है। हम शहर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही टेबल टेनिस कोर्ट, राइफल शूटिंग रेंज, कबड्डी और खो–खो जैसी सुविधाएं बनाएंगे। नगर निगम खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

–विकास ढाकणे
मनपा आयुक्त,

ठाणे जिले में पिछले साल 15 बाल विवाह रोकने में सफलता

ठाणे. देश में लड़कियों की शिक्षा के लिए भले ही करोड़ों की धनराशि से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन आज भी देखा जा रहा है कि जिले में शिक्षा के अभाव में छोटी उम्र में लड़कियों की शादी हो रही है. पिछले वर्ष ठाणे जिले में 15 बाल विवाह सफलतापूर्वक रोके गए हैं। इनमें से लगभग सभी लड़कियों ने अपनी पढ़ाई बंद कर दी थी. यह बात सामने आई है कि माता-पिता लड़कियों की सुरक्षा और भविष्य को देखते हुए उनकी शादी करना पसंद करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि सभी परिवार गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं।

ठाणे जिले के शाहपुर को आदिवासी तालुका के रूप में जाना जाता है। मुरबाड में आदिवासियों की संख्या भी बड़ी है. आर्थिक रूप से पिछड़े इस समाज में लड़कियों की कम उम्र में शादी के कई रूप हैं। इसके साथ ही शहरी इलाकों में भी आर्थिक समस्या वाले परिवारों में लड़कियों की कम उम्र में शादी करने के मामले सामने आते हैं।

जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से पिछले कुछ महीनों में ठाणे जिले में 15 बाल विवाह रोके गए हैं। इनमें से 12 बाल विवाह शाहपुर और मुरबाड तालुका से हैं। जबकि टिटवाला, भिवंडी और नवी मुंबई ने एक-एक बाल विवाह रोका है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में यह देखा गया है कि इस वर्ष ठाणे जिले में सबसे अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। इनमें से कुछ शादियाँ शादी से एक दिन पहले रोक दी जाती हैं, कुछ शादियाँ हल्दी के दौरान रोक दी जाती हैं और कुछ शादियाँ सीधे शादी के दिन रोक दी जाती हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो 15 शादियां रुकवाई गईं, उनमें लड़कियां नाबालिग थीं। लेकिन विवाह के समय सभी लड़कियों की शिक्षा बंद कर दी गई। ये सभी लड़कियां 13 से 17 साल की उम्र की थीं.

जब श्रमिक मुक्ति संगठन की इंदवी तुलपुले, जो मुरबाड और शाहपुर तालुका में आदिवासी समुदाय के लिए काम करती हैं, से इस बाल विवाह के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि सुरक्षित शिक्षा की कमी के कारण बाल विवाह हो रहे हैं। हमारे ध्यान में आया है कि शिक्षा बंद होते ही लड़कियों की शादी कर दी जा रही है। जब पढ़ाई बंद हो जाती है तो परिवारों के सामने लड़कियों की सुरक्षा का सवाल आ जाता है. इसलिए लड़कियों की सुरक्षित शिक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है.

चाइल्ड लाइन से 1098 पर संपर्क करें...

नागरिकों एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस स्थान पर बाल विवाह हो रहा हो उस स्थान पर तुरंत पहुंचकर बाल विवाह को रोका जा सकता है। इसलिए, यदि किसी को पता चले कि उनके आसपास बाल विवाह हो रहा है, तो उन्हें चाइल्ड लाइन से 1098 पर संपर्क करना चाहिए।

–एड. पल्लवी जाधव,
बाल संरक्षण अधिकारी, ठाणे

अंबरनाथ में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 7 को

अंबरनाथ. अंबरनाथ में 7 दिसंबर शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ है, जिसमें कैंसर जैसी बीमारी सर्जरी के बारे में बहुमूल्य जानकारी भी दी जाएगी. साथ ही हार्ट चेकअप भी निःशुल्क किया जाएगा. ये शिविर एमडी डायग्नोस्टिक और मुख्त निओन अस्पताल की ओर से शहर पश्चिम में चिंचपाड़ा चौक जुमा मार्केट के सामने सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक होगा. ऐसी जानकारी हमें डॉ. फुरकान मुरुमकर और आसिफ शेख ने दी है.

उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर को सुबह 8 से 10 बजे तक ब्लड शुगर टेस्ट और निःशुल्क कैंसर सर्जरी के बारे में जानकारी डॉ. मो. फुरकान (एमडी पैथोलॉजी) देंगे. 10 से 12 बजे तक रमशा अंसारी फीजियोथेरीपी कन्सल्टेशन दोपहर 12 से 3 बजे तक हार्ट का चेकअप डॉ. सौरभ धारिया करेंगे. डॉ. स्नेहा रोहरा दोपहर 12 से रात 9 बजे तक निःशुल्क दांतों का चेकअप करेंगी. 3 से 6 बजे तक आर्थोपेडिक कन्सल्टेशन डॉ. सलाउद्दीन चौधरी करेंगे. इस निःशुल्क शिविर से लाभ उठाने की अपील की गई है. अधिक जानकारी के लिए मो. नं. 7844994499 से संपर्क करने को कहा गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

और बढ़ेगी महंगाई की मार

डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट से अर्थव्यवस्था को एक और झटका लगा है। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद घट कर 5.4 फीसद पर आ गया। उसमें सबसे बुरी गत विनिर्माण और आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की रही। थोक और खुदरा महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। ऐसे में डालर के मुकाबले रुपए की कीमत अब तक के सर्वाधिक निचले स्तर 84.76 पर पहुंच जाने से स्वाभाविक ही चिंता बढ़ गई है।

रुपए की कीमत गिरने का असर सीधे-सीधे आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ता है। पहले ही लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं, अब यह और बढ़ जाएगी। इसलिए कि कच्चे तेल से लेकर खाने के तेल, दवाओं के लिए कच्चा माल आदि बहुत कुछ बाहर से मंगाना पड़ता है, जिसका भुगतान डालर में करना पड़ता है। फिर विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों पर भी खर्च का बोझ बढ़ जाएगा।

लंबे समय से रुपए की कीमत में नरमी

रुपए की कीमत गिरने की बड़ी वजह फिलहाल डालर के मजबूत होने और नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों को डालर का उपयोग न करने पर सौ फीसद शुल्क लगाने की चेतावनी बताई जा रही है। पर लंबे समय से रुपए की कीमत में नरमी का रुख बना हुआ है। कहा जा रहा था कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए इस नरमी को कम करने का प्रयास करती रही, मगर नाकाम साबित हुई है। इसकी एक वजह बढ़ती महंगाई है, जो रिजर्व बैंक के ऊंची रेपो दर लागू करने के बावजूद काबू में नहीं आ रही। फिर, जब से अमेरिकी डालर मजबूत होना शुरू हुआ है और ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, विदेशी निवेशकों ने भारत से अमेरिका की तरफ रुख कर लिया है। निर्यात में बढ़ोतरी लाना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है।

मगर फिर भी हकीकत से आंखें चुराने की कोशिश ही देखी जाती है। जब केंद्र में यूपीए सरकार थी, तब भाजपा कहते न थकती थी कि रुपए की गिरती कीमत उसका इकबाल गिरने की निशानी है। मगर विचित्र है कि वह खुद इसे संभाल नहीं पा रही।

याद रहे आंबेडकर की चेतावनी

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर संसद में उस पर व्यापक चर्चा को लेकर पक्ष-विपक्ष में सहमति कायम हो गई है। देखना है कि इस चर्चा का क्या स्तर रहता है। यह वर्ष संविधान को लेकर बहुत चर्चित रहा। लोकसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा संविधान को बदलने का जो शिगूफा छेड़ा गया था, वह कुछ हद तक जनता को बरगलाने में सफल रहा।

संविधान को लेकर किसी भी दुष्प्रचार पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि विश्व के सबसे विविधतापूर्ण एवं जीवंत लोकतंत्र में अपनी अभी तक की यात्रा के दौरान हमारे संविधान ने हर परीक्षा उत्तीर्ण की है। निःसंदेह 75 वर्षों की यह संवैधानिक यात्रा कई उतार-चढ़ावों से गुजरी है, लेकिन इसी राह पर चलते हुए देश ने प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और आज विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।

विभिन्न अध्ययनों ने दर्शाया है कि भारतीय संविधान सबसे टिकाऊ है। इसके पीछे संविधान के लचीलेपन एवं अनुकूलता जैसे गुण हैं। यह अन्य संविधानों की तरह जड़ता से ग्रस्त नहीं। कुछ पश्चिमी विद्वान संविधान में व्यापक संशोधनों को लेकर जरूर मखौल उड़ाते हैं, लेकिन वे इससे अनभिज्ञ हैं कि उसके लचीलेपन ने ही संविधान के अस्तित्व को अक्षुण्ण बनाए रखने के साथ ही भारत की एकता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई।

असल में पश्चिम के लोग नहीं, बल्कि भारतीय ही यह कला एवं कौशल जानते हैं कि अपनी

समस्याओं को कैसे सुलझाया जाए। भारतीय संविधान के स्थायित्वपूर्ण तत्व को शोधार्थियों ने बखूबी स्थापित किया है। शिकागो विश्वविद्यालय में ला स्कूल द्वारा 'लिखित संविधानों का जीवनकाल' शीर्षक से प्रकाशित एक पत्र के अनुसार संविधान बहुत समय तक नहीं चलते।

अधिकांश संविधानों का जीवनकाल 15 से 19 वर्षों का होता है। औसत जीवनकाल 17 साल बताया गया है। अध्ययन के अनुसार, 'करीब आधे संविधान 18 साल तक खत्म हो जाते हैं और 50 वर्ष के पड़ाव तक केवल 19 प्रतिशत ही कायम रह पाते हैं। उनके जल्द दम तोड़ देने की दर काफी अधिक है। करीब सात प्रतिशत संविधान अपना दूसरा साल नहीं देख पाते।' इस लिहाज से देखा जाए तो हमारे संविधान द्वारा 75 साल का पड़ाव पार करना बहुत कुछ कहता है।

करीब 80 से अधिक संविधानों का अवलोकन करने के बाद मैं यही कहूंगा कि लोकतंत्र के आधारभूत अवयव और धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए जैसे मूल अधिकार भारतीय संविधान प्रदान करता है, वैसे कहीं अन्यत्र नहीं मिलते। अल्पसंख्यक अधिकारों की बात करें तो अनुच्छेद 14, 15, 16, 19 के अतिरिक्त अनुच्छेद 25,26,29 और 30 ये अधिकार प्रदान करते हैं।

यह एक तथ्य है कि प्राचीन लोकतंत्रों में किसी मत को मानने का अधिकार तो है, किंतु मत का प्रचार-प्रसार मूल अधिकारों में शामिल नहीं। भारत की संविधान सभा में कुछ ईसाई सदस्यों ने इसके पक्ष में दलील दी कि मत प्रचार ईसाइयत के केंद्र में है और उसे मूल अधिकार के रूप में मान्यता दी ही जानी चाहिए।

नेहरू, सरदार पटेल और अन्य लोगों ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया। इसमें भी अनुच्छेद 28 उल्लेखनीय है जो राज्य निधि से पूर्णतः पोषित किसी शिक्षा संस्थान में धार्मिक शिक्षा के प्रसार को प्रतिबंधित करता है। इसके पीछे सरकारी स्कूलों में हिंदू बहुसंख्यकों के धर्म प्रचार को अवरुद्ध करने की मंशा थी।

एक राष्ट्र के रूप में भारत के चरित्र पर दृष्टि डालें तो वह सभ्यतागत रूप से पंथनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक प्रकृति वाला रहा है। इसके पर्याप्त साक्ष्य ऋग्वेद से लेकर तमाम अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलते हैं। हालांकि, ब्रिटिश राज और हमारी राजनीति के नेहरू युग में भारतीयों के दिमाग में यही भरा गया कि हमने ये विचार ब्रिटेन और अमेरिका से लिए हैं।

भारत में हजारों वर्ष पुरानी लोकतांत्रिक परंपराओं से जुड़े साक्ष्यों के आलोक में ऐसी धारणा को चुनौती दी जानी चाहिए। संविधान की प्रारूप समिति के प्रमुख डा. भीमराव आंबेडकर ने भी ऐसा किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि केवल राजनीतिक लोकतंत्र ही कारगर नहीं रह सकता। उसका दायरा सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र तक विस्तारित होना चाहिए।

ध्यानाभ्यास के द्वारा हम जान जाते हैं कि हमारे अंदर शांति और प्रेम का स्रोत है, जो हमारे जीवन को समृद्ध कर सकता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में ड्रैगन की सक्रियता से दुनिया भर में बढ़ी चिंता

अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सहज और शांतिपूर्ण रखने के लिए भारत ने न केवल अपनी ओर से हर स्तर पर पहल की है, बल्कि कई बार विपरीत स्थितियों में भी सकारात्मक रुख दिखाया है। मगर लंबे समय से पाकिस्तान और चीन के रवैये की वजह से सीमा पर अक्सर तनाव और टकराव के हालात पैदा होते रहे हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार रहा है, वह अब दुनिया जानती है। बिना किसी उकसावे के चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जिस तरह की गतिविधियां चलाता है, उसे किसी भी कसौटी पर उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत कूटनीतिक स्तर पर इस मसले को अक्सर उठाता रहा है। समय-समय पर होने वाली बातचीत के बाद कुछ समय तक सीमा पर शांति की स्थिति दिखती है, मगर फिर चीन की ओर से कोई न कोई ऐसी गतिविधि शुरू हो जाती है, जिससे उसकी मंशा पर संदेह होता है। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद कई सकारात्मक पहलकदमियां हुईं और शांति बहाली की उम्मीद जगी। इसके तहत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने

सैनिकों को पीछे लौटाने के कदम उठाए गए। मगर पिछले कुछ वर्षों में भारत को लेकर चीन का जैसा रुख सामने आया है, उसके मद्देजनर यह आशंका लगातार बनी हुई है कि दोनों देशों के बीच तनाव के हालात में सुधार की स्थितियां कब तक बनी रहेंगी।

अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता ने बहुस्तरीय तनाव में बढ़ोतरी की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिलहाल शांति को भारत राहत के रूप में देख सकता है, लेकिन अगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों की वजह से दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है, तो यह भारत के लिए भी सचेत रहने का वक्त है।

शायद यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंता की पृष्ठभूमि में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीन की सेना के बीच गतिरोध भले खत्म हुआ है, मगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मंशा नहीं बदली है। उस क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य ताकत का प्रदर्शन भारत के लिए चिंता का विषय है।

यह हकीकत है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन खुद को इस रूप में पेश कर रहा है, जिसमें उसे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति के तौर पर देखा-माना जाए। यह उसकी अपनी स्थितियों के अनुकूल हो सकता है, लेकिन इस क्रम में वह अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता का हनन या उनके सामने जोखिम पैदा करके करना चाहता है, तो यह हर लिहाज से गलत है।

सवाल है कि अरुणाचल प्रदेश में उसकी गतिविधियों को किस रूप में देखा जाएगा और उसके क्या कारण हैं? भारत अगर सीमा से संबंधित विवाद के सभी प्रश्नों का हल करना चाहता है, तो चीन को इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ शांति के लिए बनी सहमति पर अमल करना चाहिए।

1 साल तक सुनसान आइलैंड पर अकेली रही महिला

जरा हट के

बहुत से लोग अक्सर ये कहते हैं कि वो शहरों की भीड़भाड़ से दूर किसी एकांत जगह पर रहना चाहते हैं, लेकिन अगर उन्हें सही में ऐसा मौका दिया जाए, तो क्या वो अकेले रह पाएंगे? अकेले रहना कुछ वक्त के लिए शायद सुकून दे, पर फिर इंसान कितना अकेलापन महसूस करता है, ये तो बस वही जानता है. इन दिनों एक अमेरिकी महिला सुर्खियों में आ गई है, जब उसने बताया कि वो महामारी के दिनों में एक आइलैंड पर बिल्कुल अकेले रहा करती थी. जिस घर में वो रहती थी, उसमें रहने के लिए उसे 1 रुपये किराया भी नहीं देना पड़ा. बिना बिजली के वो 2 महीने वहां पर रही.

रियल्टर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 में जब कोविड महामारी जारी थी, तब डिजायर हेवरो कैलिफोर्निया के ईस्ट ब्रदर लाइट स्टेशन में बतौर लाइटहाउस केयरटेकर तैनात हुई थीं. वो स्टेशन के रोजमर्रा के

ऑपरेशन मैनेज किया करती थीं. वो इसके साथ ही आइलैंड के वेस्ट डिस्पोसल सिस्टम को भी मैनेज किया करती थीं.

ये लाइटहाउस एक सुनसान आइलैंड, ईस्ट ब्रदर आइलैंड पर बना था जो सैन रफैल बे में आता है. लाइट हाउस का निर्माण 1873 में हुआ था, जिससे नाविकों की यात्रा को लाइट दिखाकर अंधेरे में सुगम बनाया जा सके. उन्होंने बताया कि काफी साल पहले, जब वो अपनी बेटी के साथ कार से रिचमंड जा रही थीं, तब उनकी नजर इस आइलैंड पर बने एक छोटे से घर पर गई. अगले कुछ साल डिजायर इस घर के बारे में रिसर्च करने लगीं, जिससे उन्हें पता चल सके कि उसका मेंटेनेंस कौन देखता है. उन्होंने एक वेबसाइट दिखी जहां पर उन्होंने आइलैंड के रेस्टोरेशन के लिए रेजिस्टर किया.

उन्हें वहां काम कर के इतना अच्छा लगा कि करीब 10 साल उन्होंने उस लाइट हाउस से जुड़े छोटे-मोटे कामों को करने में बिता दिया. 2020 में वो आइलैंड में शिफ्ट हो गईं और उसका काम देखने लगीं. इसी बीच एक बिजली का सप्लाई केबल टूट गया, इस वजह से वो 2 महीनों तक बिजली से वंचित रहीं. जिस केबल से लाइट आनी थी, वो काफी महंगा था जिसकी वजह से कोस्ट गार्ड के लोग उसे ठीक नहीं कर रहे थे.

इन आसान तरीकों से उतारें मेकअप

- नहीं पड़ेगी महंगी चीजों की जरूरत
- ब्यूटीशियन से जानें खास टिप्स

शादियों और पार्टियों का सीजन शुरू हो गया है. इस दौरान महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए मेकअप पर खास ध्यान देती हैं. हालांकि, मेकअप लगाना जितना आसान होता है, उसे सही तरीके से हटाना उतना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है. अगर मेकअप को सही तरीके से नहीं हटाया जाए, तो यह त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है. ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है. प्रोफेशनल ब्यूटीशियन पुतुल सिंह, जो पिछले 13 वर्षों से इस क्षेत्र में काम कर रही हैं, ने लोकल 18 को कुछ आसान और घरेलू उपाय बताए हैं, जिनकी मदद से आप आसानी से मेकअप हटा सकती हैं.

घरेलू नुस्खों से हटाएं मेकअप

पुतुल सिंह के अनुसार, बाजार में कई मेकअप रिमूवर उपलब्ध हैं, लेकिन घर में मौजूद कुछ प्राकृतिक चीजों से भी मेकअप हटाया जा

सकता है. ये तरीके न केवल किफायती हैं, बल्कि आपकी त्वचा को भी नुकसान नहीं पहुंचाते.

1. नारियल या बादाम का तेल

एक रूई का टुकड़ा लें और उसमें थोड़ा सा नारियल या बादाम का तेल लगाएं. इसे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से एंटी-क्लॉकवाइज और क्लॉकवाइज दिशा में रब करें. इससे मेकअप आसानी से निकल जाएगा.

2. फेस वॉश और ठंडा पानी

तेल से मेकअप हटाने के बाद, किसी अच्छे फेस वॉश से चेहरा धो लें. इसके बाद चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे मारें. यह न केवल मेकअप के अवशेष को पूरी तरह हटाएगा, बल्कि आपकी त्वचा को तरोताजा भी करेगा.

3. त्वचा की देखभाल के लिए सलाह

मेकअप हटाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करना न भूलें. इससे त्वचा हाइड्रेटेड रहेगी. हफ्ते में एक बार स्क्रब का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा पर जमी गंदगी साफ हो सके. घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा कोमल और चमकदार बनी रहती है.

मेकअप हटाने का सही तरीका क्यों जरूरी है?

मेकअप को सही तरीके से न हटाने से त्वचा पर पिंपल्स, रैशेज और डार्क स्पॉट्स हो सकते हैं. इसलिए मेकअप हटाने के दौरान इन टिप्स को जरूर अपनाएं. यह न केवल आपकी त्वचा को साफ रखेंगी, बल्कि इसे स्वस्थ और चमकदार भी बनाएंगी. इन आसान घरेलू उपायों को अपनाकर आप शादी या पार्टी के बाद भी अपनी त्वचा की खूबसूरती बनाए रख सकती हैं.

ऊनी कपड़ों को धोते समय ना करें गलतियां

हार्ड डिटर्जेंट

ऊनी कपड़ों को धोने के लिए कभी भी हार्ड केमिकल वाले डिटर्जेंट का इस्तेमाल ना करें। इस बात का खास ख्याल रखें कि ऊनी कपड़ों और अन्य कपड़ों के फैब्रिक में काफी अंतर होता है। ऊनी कपड़े संवेदनशील होने की वजह से हमेशा माइल्ड, सॉफ्ट और लिक्विड डिटर्जेंट से धोए जाते हैं। इसके अलावा वूलन कपड़ों को मशीन में धोने की जगह हाथ से धोने चाहिए।

सीधा करके धोना

ऊनी कपड़ों को कभी भी सीधा करके नहीं धोना चाहिए। वूलन कपड़े हमेशा उल्टा करके धोने और सुखाने चाहिए। ऐसा करने से कपड़ा सीधा डिटर्जेंट या धूप के संपर्क में नहीं आता, जिससे कपड़े का रंग जल्दी फीका नहीं पड़ता है।

निचोड़ने की गलती

ऊनी कपड़ों को धोने के बाद उनसे पानी निकालने के लिए कभी भी निचोड़ना नहीं चाहिए। ऊनी कपड़ों को जोर से रगड़ने या निचोड़ने से उनके साइज में फर्क आ जाता है। ऐसे में इससे बचने के लिए ऊनी कपड़े को हल्के हाथों से धोना और हल्के हाथ से पानी को निचोड़ना चाहिए।

ऊनी कपड़ों पर प्रेस

ऊनी कपड़ों को धोने के बाद उन पर कभी भी प्रेस नहीं करना चाहिए, इससे गर्म कपड़े खराब हो सकते हैं।

गर्म पानी

वूलन कपड़ों को कभी भी गर्म पानी में धोने की गलती नहीं करनी चाहिए। ऊन काफी संवेदनशील होता है। उसे गर्म पानी में धोने से उसके रेशे टूट जाते हैं जिससे स्वेटर खराब हो जाता है। इसके अलावा गर्म पानी में वूलन कपड़े धोने से उनका आकार भी छोटा हो सकता है। ऐसे में ऊनी कपड़ों को हमेशा ठंडे या गुनगुने पानी से धोना चाहिए।

कच्ची हल्दी की सब्जी

खाना-खजाना

राजस्थानी खाना काफी तरह-तरह की चीजों से तैयार किया जाता है। यहां बनने वाली कच्ची हल्दी की सब्जी भी काफी फेमस है। ये सब्जी स्वाद के साथ ही सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद होती है। खासकर सर्दियों के दिमों में इसे खाना अच्छा माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हल्दी की तासीर गर्म होती है, ऐसे में ठंड के दिनों मे ये शरीर को गर्म रख सकती है। राजस्थानी तरीके से बनी हल्दी की सब्जी का स्वाद अगर आप भी चखना चाहते हैं तो यहां हम इसकी रेसिपी बता रहे हैं। देखिए-

सामग्री :

- 2 कप कच्ची हल्दी
- 10 से 15 लहसुन की कलियां
- 1 इंच अदरक
- 3 मीडियम साइज प्याज
- 3 हरी मिर्च
- 11/5 कप दही
- 3/4 कप घी
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1/2 छोटी चम्मच हींग
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- धनिए के पत्ते

विधि :

कच्ची हल्दी की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी को अच्छे से धो लें और फिर इसे छील लें। फिर इसे कद्दूकस करके एक तरफ रख दें। अब प्याज को भी बारीक काट लें। अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें और फिर इसमें कद्दूकस की हुई हल्दी को सेक लें। जब तक हल्दी सिक रही है तब तक दही में लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक मिला लें। अब हल्दी को एक प्लेट में निकाल लें और थोड़ा घी और डालकर इसमें जीरा, हींग डालें। फिर कुटी हुई लहसुन की कलियां और कुटा हुआ अदरक डालें। फिर इसमें प्याज डालें और अच्छे से भून लें। बाद में हल्दी डालें और अच्छे से मिक्स करें। 5 मिनट बाज दही का पेस्ट डालें। अब 10 मिनट के लिए सब्जी को ढककर पका लें। फिर हरी मिर्च और हरा धनिया डालकर मिक्स करें और सर्व करें।

पुराना या फटा स्वेटर भी है बड़े काम का

■ दोबारा इस्तेमाल करने की तरकीब जानकर हो जायेंगे हैरान

पुरानी या इस्तेमाल नहीं होने सामान को सबसे पहले अलमारी से निकालकर फेंकने का ख्याल मन में आता है, ताकि नया सामान रखने के लिए जगह हो सके. मगर, हर चीज हो फेंकने की सोचना भी सही नहीं है बल्कि आप थोड़ा सा क्रिएटिव होकर ही पुरानी या इस्तेमाल नहीं वाली चीजों से कुछ खास और काम की चीजें बना सकते हैं. जो आपके पैसों की बचत भी कर सकते हैं.

सर्दी के सीजन के हिसाब से वूलन कपड़ों की बात करें तो हर साल कुछ नया खरीदने और फैशन को फॉलो करने में अलमारी भर जाती है. अब इनमें पुरानी स्वेटर को कोई देखता तक नहीं है, आगे चलकर उन्हें फेंकने की नौबत तक आ जाती है. अगर, आप भी कुछ ऐसा ही सोचते हैं तो हम आपको पुरानी स्वेटर से काम की चीज बनाने के तरीके बता रहे हैं.

■ वूलन पिलो कलर बनाने का तरीका

पुराने स्वेटर का सबसे अच्छा इस्तेमाल करने का तरीका है कि आप इससे वूलन पिलो कवर बना लीजिए. जो न सिर्फ बेडरूम, सोफा या वर्क चेयर के लिए परफेक्ट रहेगा बल्कि ठंड में गर्माहट भी देगा. यहां आपको कुशन के साइज के हिसाब से स्वेटर का सिलेशन करना होगा.कुशन से डबल साइज का स्वेटर काट लीजिए और उल्टा करके तीन साइड से सिल लीजिए. एक साइड कुशन को कवर पर डालने के लिए छोड़ दीजिए. अब इसमें वेल्क्रो या जिप लगाकर लॉक करके यूज कीजिए. कुशन बनाने के लिए पुरानी साड़ी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं.

■ कुर्सी के लिए बनाएं वार्मर

कड़ाके की ठंड पड़ने पर पुराने स्वेटर आपके बहुत काम आ सकते हैं आप इनकी मदद से कुर्सी के लिए वार्मर बना सकती हैं. इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं होगी. पुराने स्वेटर को काटकर आप प्लास्टिक की कुर्सी या अपनी वर्क चेयर पर रख सकती हैं. इससे एक लेयर बनने से ठंड का एहसास कम होगा.

■ पुराने पुल ओवर को बनाएं कार्डिगन

पुराने पुल ओवर को कैंची, प्रेस और कुछ बटन की मदद से आप कार्डिनग बना सकती हैं. हालांकि इसके लिए आपको एक ऐसा पुल ओवर लेना होगा जो बहुत ज्यादा हैवी न हो नहीं तो काटते ही ऊन के धागे निकलने लगेंगे. ध्यान रहे आपको बीच से काटना है और दोनों साइड बराबर रखना है.

अब स्वेटर की स्टिच लाइन को अंदर की ओर मोड़कर प्रेस ला दें,

फिर सुई-धागे से सिल दें. चाहें तो एक साइड बटन लगाकर दूसरे साइड काज बना सकती हैं, ताकि कार्डिगन को बंद भी किया जा सके.

■ कप वार्मर बनाने का तरीका

पुराने स्वेटर की आस्तीन को छोटे-छोटे हिस्सों में गोलाकर काटकर आप कप के लिए वार्मर भी बना सकती हैं. जो न सिर्फ कप के अंदर के लिक्विड को गर्म रखने में मदद करेगा बल्कि इससे आपको गर्म कप को उठाने में आसानी होगी. चाहें तो इस ट्रिक को ग्लास के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं. बच्चों को इस तरह के कप या ग्लास में दूध देने में आपको काफी आसानी होगी. इस तरह के कामों के लिए पुराने मोजे का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

■ बूट टॉपर्स भी बनाना है आसान

कई दफा बूट्स की वजह से पैरों में चोट लग जाती है या स्किन छिल जाती है. क्योंकि बूट्स के रबर टॉप हार्ड होते हैं ऐसे में आप इनके लिए बूट टॉपर्स बना सकती हैं. जो न सिर्फ स्टाइलिश लुक देंगे बल्कि पैरों को गर्म करने में भी मदद करेगें. इन्हें आप पुरानी स्वेटर की अपर स्लीव्स में जरूरत पड़े तो थोड़ी सिलाई करके बना सकती हैं. वैसे अगर आप स्वेटर को धोने का सही तरीका अपनाती हैं तो यह जल्दी खराब नहीं होगी.

आज का राशिफल

मेष : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

वृषभ : कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन : आज धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क : बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे।

कन्या : रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें.

धनु : जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी।

मकर : किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रमाद न करें।

कुंभ : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी।

मीन : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दूल्हे के स्वागत के दौरान फायरिंग, एक युवक को लगी गोली, पुलिस ने 4 बॉडीगार्ड को पकड़ा

महाराजगंज. बारात आने के बाद लड़की वाले उसके स्वागत सत्कार में लग जाते हैं। दूल्हा जब द्वारचार के लिए लड़की के दरवाजे पर पहुंचता है तो लड़की पक्ष दूल्हा और लड़के वालों की खातिरदारी करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते। हालांकि इस बीच कुछ हुड़दंगी भी होते जो अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। ऐसा ही एक मामला यूपी के महाराजगंज से सामने आया है। यहां गोरखपुर रोड पर स्थित श्याम पैलेस में मंगलवार की रात आई बारात के स्वागत के दौरान किसी ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में लड़की पक्ष के पट्टीदारी के एक युवक के पैर में गोली लग गई। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। इलाज के लिए घायल युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाल मनोज कुमार रॉय, नगर चौकी इंचार्ज विजय द्विवेदी पुलिस कर्मियों के साथ मैरेज हाउस पहुंचे। बारात में असलहा लेकर घूम रहे चार बॉडीगार्ड को हिरासत में लेकर कोतवाली भेज दिया। ड्रोन और वीडियो कैमरे को कब्जे में ले लिया।

मछली खाने को लेकर घराती और बारातियों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे

कुशीनगर. यूपी के कुशीनगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां शादी समारोह में मछली खाने को लेकर घरातियों और बारातियों के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनों तरफ से चले लाठी-डंडे में एक बाराती घायल हो गया। यहां तक कि लोगों ने दूल्हे को भी नहीं बक्शा उसे भी पीट दिया। इस दौरान मौका देख दूल्हा मंडप से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दूल्हे को ढूंढ मामले को शांत कराया। फिर अगली सुबह शादी की रस्म पूरी हुई। ये घटना पटहेरवा गांव का है। यहां के एक गांव में कसया थाना क्षेत्र से बारात आई थी। यहां शादी में भोजन में बने मछली खाने को लेकर जमकर लाठी-डंडे चले। इस मारपीट में एक व्यक्ति का सिर फट गया। मारपीट के दौरान नशे में धुत कुछ लोगों ने बारातियों सहित दूल्हे को भी नहीं बक्शा और उसकी भी जमकर धुनाई कर दी। जान बचा कर दूल्हा किसी तरह से शादी समारोह से भाग निकला। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस देर रात दूल्हे को किसी तरह से ढूंढ कर शादी के मंडप में पहुंचाई। आधी रात के बाद शादी शुरू हुई।

यूपी के युवक को सऊदी अरब की कोर्ट ने सुनाई सजा-ए-मौत, पिता ने लगाई गुहार

मेरठ. यूपी के मेरठ के मुंडाली थानाक्षेत्र स्थित रछौती गांव के रहने वाले जैद नाम के एक युवक (उम्र 36 वर्ष) को ड्रग्स की तस्करी के आरोप में सऊदी अरब की कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। मुंडाली पुलिस की ओर से नोटिस जारी कर परिजनों को सूचना दी गई है। फिलहाल सजा का आदेश सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय में अनुमोदन की प्रक्रिया में है। मामले में परिजन पैरवी भी कर सकते हैं। जैद के भाई सुहेल ने बताया कि मंगलवार को उनके पिता के आग्रह पर भारत सरकार ने सऊदी अरब सरकार को जैद की क्षमा याचना की अर्जी भिजवाई है। 36 वर्षीय जैद पुत्र जुबैर 2018 में सऊदी अरब की एक कंपनी में चालक की नौकरी पर लगा था। गाड़ी दुर्घटना में क्षतिग्रस्त होने के बाद रिकवरी से बचने को जैद कंपनी छोड़कर चला गया। इस बीच एक पुलिसकर्मी ने उसे अपनी परिवारिक गाड़ी पर चालक की नौकरी दे दी। यहां जैद पर 700 ग्राम मादक पदार्थ बरामदगी दिखाते हुए सऊदी सरकार ने 15 जनवरी 2023 को जेद्दाह सेंट्रल जेल में बंद कर दिया। मुकदमें के बाद मादक पदार्थ तस्करी के जुर्म में उसे सजा-ए-मौत की सजा दी गई है।

संसद में बांग्लादेश का मुद्दा

हेमा मालिनी बोलीं- यह विदेशी संबंधों का नहीं, कृष्ण भक्तों की भावनाओं का मामला है

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को 7वां दिन था. लोकसभा में बांग्लादेश हिंसा का मुद्दा उठा। मथुरा से सांसद हेमा मालिनी ने कहा- बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं और हिंदू मंदिरों, खास तौर पर इस्कॉन और इस्कॉन भक्तों के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर मैं बेहद दुखी और परेशान हूं। यह केवल विदेशी संबंधों का मुद्दा नहीं है, यह भारत में कृष्ण भक्तों की भावनाओं का मामला है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार और एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार करने का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में गूंजा। कृष्ण नगरी मथुरा की सांसद हेमा मालिनी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सदस्यों ने पड़ोसी देश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और संसद से एक प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की।

शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियों पर चरमपंथियों द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय हैं। उन्होंने हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्कॉन के लोग मानवता के लिए अच्छा काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हें राजद्रोह का आरोप लगाकर जेल में डाल दिया गया। उनके पक्ष में गवाही देने वाले दो लोगों को भी जेल में डाल दिया गया।'' हेमा मालिनी ने कहा, ''मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं। मैं कृष्ण की पावन नगरी मथुरा की प्रतिनिधि हूं। हम धर्म पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह विदेश नीति का विषय नहीं है, बल्कि हमारी भावना का विषय है।''

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे को उठाते हुए मांग की, ''भारतीय संसद में एक प्रस्ताव पारित कर बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं पर अत्याचार रोकने के लिए कार्रवाई करने का संदेश भेजा जाना चाहिए।'' सत्तारूढ़ दल के ही अनिल फिरोजिया ने इस मामले में भारत सरकार से और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ में भूकंप

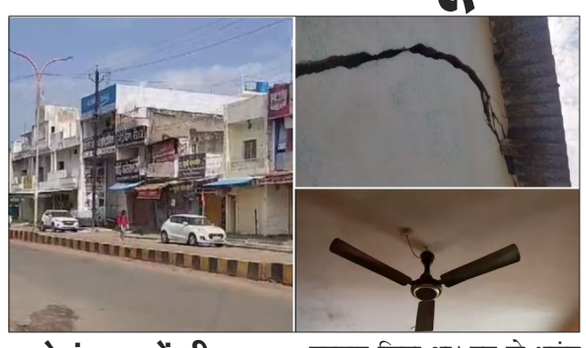

- तेलंगाना में भी हिली धरती
- कितनी तीव्रता और कहां था केंद्र?

रायपुर. छत्तीसगढ़ में बुधवार की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। तेलंगाना में भी भूकंप महसूस किया गया। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर में पहली बार भूकंप के झटके दर्ज किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई। राहत की बात यह कि भूकंप से अभी तक कहीं से जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

भूकंप के झटके दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिलों में महसूस किए गए। भूकंप के बाद डर से बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहली बार है जब दक्षिण बस्तर में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। ऐसे में यहां लोगों में दहशत का माहौल है।

पहले तो लोग समझ नहीं पाए लेकिन बाद में भूकंप के झटके महसूस किए जाने पर लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने दक्षिण बस्तर में इससे पहले कभी इतना तेज भूकंप नहीं महसूस किया था। हम तो भूकंप आने की बात भी नहीं सोच सकते थे लेकिन जब पता चला कि ये भूकंप के झटके हैं तब से यह चर्चा का विषय बन गया है।

यूनिवार्ता की रिपोर्ट के मुताबिक, पड़ोसी राज्य तेलंगाना के मुलुगु जिला भूकंप का केंद्र था। भूकंप के इन झटकों से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हैदराबाद से मिली रिपोर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना के मुलुगु जिले में सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) के अनुसार, हैदराबाद, रंगा रेड्डी, वारंगल, सिद्दीपेट, हनुमकोंडा और खम्मम सहित तेलंगाना के विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर सुबह करीब 07.27 बजे भूकंप को महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 मापी गई।

भूकंप का केंद्र जमीन की सतह 18.44 उत्तरी अक्षांश और 80.24 पूर्वी देशांतर में 10 किलोमीटर की गहराई में था। तेलंगाना के मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि बीते 20 वर्षों में पहली बार राज्य में इतना तगड़ा भूकंप देखा गया। इसका केंद्र मुलुगु में था। भूकंप की तीव्रता 5.3 दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के ये झटके राज्य भर में महसूस किए गए।

पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर फायरिंग

- बाल-बाल बचे
- हमलावर आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर. अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में बुधवार को पंजाब के पूर्व डिप्टी CM सुखबीर सिंह बादल पर खालिस्तानी आतंकी ने फायरिंग की। सुखबीर बादल गोल्डन टेंपल के गेट पर सेवादार बनकर बैठे थे। डेरा सच्चा सौदा के मुखी राम रहीम को माफी देने को लेकर सिखों की सर्वोच्च अदालत अकाल तख्त ने उन्हें यह सजा दी है। वारदात के वक्त हमलावर ने जैसे ही उन पर गोली चलाई उसी समय सिविल वर्दी में तैनात उनके सुरक्षाकर्मियों ने उसका हाथ पकड़कर ऊपर उठा दिया। जिससे गोली गोल्डन टेंपल की दीवार पर जा लगी। इससे सुखबीर बादल बाल-बाल बच गए।

इसके बाद हमलावर ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुखबीर बादल को तुरंत सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। गोल्डन टेंपल के बाहर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

कट्टरपंथी संगठन से जुड़ा रहा है आरोपी

सुखबीर पर हमला करने वाला आरोपी गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक का रहने वाला नारायण सिंह चौड़ा है। वह सिख संगठन दल खालसा का मेंबर है। वारदात के बाद पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर गोल्डन टेंपल पहुंचे। उन्होंने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

अकाली नेता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का साथी मार्केट कमेटी का चेयरमैन है। गोली चलाने वाला व्यक्ति चेयरमैन के साथी का भाई है।

कौन हैं जसबीर सिंह?

अमृतसर के प्रसिद्ध गोल्डन टेंपल में बुधवार को शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता सुखबीर सिंह बादल पर एक जानलेवा हमला हुआ। हालांकि, हमले को नाकाम कर दिया गया। इस घटना में अमृतसर पुलिस के एएसआई जसबीर सिंह ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए हमले को विफल कर दिया। गौरतलब है कि सुखबीर सिंह उस समय मंदिर के प्रवेश द्वार पर 'सेवादार' के रूप में सेवा कर रहे थे। अब जसबीर सिंह की बहादुरी की काफी तारीफ हो रही है।

हमलावर की पहचान खालिस्तानी आतंकी नरायण सिंह चौरा के रूप में हुई है। चौरा ने सुखबीर सिंह पर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन जसबीर सिंह ने तुरंत उसे पकड़ लिया। इस दौरान गोली हवा में चल गई। पुलिस अधिकारी जसबीर के साथ एएसआई रशपाल सिंह और परमिंदर सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर चौरा को दबोच लिया।

छुट्टी पर आए सैनिक को आतंकियों ने मारी गोलियां

जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा के त्राल इलाके में बुधवार शाम आतंकियों ने छुट्टी पर आए सैनिक पर गोलियां चलाईं, जो उसके पैरे में लगीं। सैनिक देलहीर मुश्ताक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका घर त्राल के सोफीगुंड में है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी की है। आतंकियों के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

ISIS पर से आतंकी संगठन का ठप्पा हटाइए मीलॉर्ड!

आतंकी साकिब नाचन की अर्जी पर SC जज ने की मदद की पेशकश

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में आज (बुधवार, 04 दिसंबर को) जेल में बंद ISIS के कथित इंडिया हेड और आतंकी साकिब नाचन की याचिका पर सुनवाई हो रही थी, जिसमें उसने शीर्ष न्यायालय से कुख्यात आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (ISIS) और अन्य पर से आतंकी संगठन का ठप्पा हटाने की मांग की थी। नाचन ने अपनी याचिका में कहा है कि इन संगठनों को आतंकी संगठन घोषित करने वाली सरकारी दो अधिसूचनाओं को रद्द करने का आदेश दिया जाय। नाचन पहले भी आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है और इस समय ISIS से अपने संबंधों और भारत विरोधी गतिविधियों के केस में जेल में है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता साकिब नाचन जो फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है, सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जेल से पेश हुआ था। इसे देखते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने उसे कानूनी मदद लेने की पेशकश की और सलाह दी कि एमिकस क्यूरी की मदद लेकर अपना केस अदालत में रखे। जस्टिस कांत ने कहा, ₹हमने सुझाव दिया था कि आपको एमिकस क्यूरी मुहैया कराई जाए.. कृपया वह सेवा लें..हम आपकी बात भी सुनेंगे।

इस पर आतंकी नाचन ने कहा, जी हां, ऐसा हो सकता है। इसके बाद जस्टिस कांत ने कहा, हम एमिकस क्यूरी के साथ आपकी एक मीटिंग की व्यवस्था करवा रहे हैं। फिर आपकी अर्जी पर आगे विचार करेंगे।

बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) पिछले साल दिसंबर में देश में ISIS के आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया था और साकिब नाचन को इस मामले में मुख्य आरोपी बनाया था।

मुंबई लोकल धमाकों का आरोपी रहा है साकिब नाचन?

साकिब नाचन को दिसंबर 2023 में गिरफ्तार किया गया था। वह प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का पदाधिकारी रह चुका है और पहले भी 2 आतंकी मामलों में सजायाफ्ता रहा है। वह 2002-2003 में मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन विले पार्ले और मुलुंड बम धमाकों में भी शामिल रहा है।

जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी रिहा

जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता महिला अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार नरगिस मोहम्मदी को 3 हफ्ते के लिए जमानत पर रिहा किया गया है। नरगिस नवंबर 2021 से जेल में बंद हैं। उन्हें ईरान की सरकार ने मृत्युदंड और हिजाब के खिलाफ अभियान चलाने के लिए गिरफ्तार किया था। नरगिस को 2023 में महिलाओं की आजादी और उनके हक की आवाज उठाने के लिए नोबेल का पीस प्राइज दिया गया था। नरगिस की रिहाई की जानकारी उनके वकील मुस्तफा नीली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर दी है। पोस्ट में बताया गया है कि डॉक्टर्स की सलाह पर सरकार ने नरगिस की सजा को 3 हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है।

राहुल-प्रियंका संभल नहीं जा सके

- गाजीपुर बॉर्डर से लौटे
- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बुधवार को उत्तर प्रदेश के संभल नहीं जा सके। यहां उन्हें हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन से मिलना था। यूपी पुलिस ने उनके काफिले को गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया।

इससे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर 4 घंटे तक 5 किमी लंबा जाम लगा रहा। हालांकि, राहुल-प्रियंका यहां 3 घंटे ही रुके थे। जाम की वजह से ट्रैफिक में फंसे लोग नाराज हो गए। उनकी कांग्रेस

कार्यकर्ताओं से झड़प हुई। लोगों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीट दिया।

इससे पहले राहुल ने भी अफसरों से बातचीत की। कहा- मैं पुलिस की गाड़ी में अकेले जाने को तैयार हूं। लेकिन अफसर राजी नहीं हुए। राहुल हाथ में संविधान लेकर कार पर चढ़ गए। मीडिया को संबोधित किया। इसके बाद राहुल-प्रियंका दिल्ली लौट गए। उन्होंने कहा- अब 6 दिसंबर को संभल जाएंगे।

संभल में कोर्ट के आदेश पर 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था। इस दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी।

इससे पहले, शनिवार को सपा और रविवार को कांग्रेस के डेलिगेशन ने भी संभल जाने का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने जगह-जगह घेराबंदी करके

एडिलेड से पहले केएल राहुल बोले-

कहीं भी खेल सकता हूं, बस प्लेइंग-11 में रहना चाहता हूं

- 6 नवंबर से दूसरा टेस्ट मैच

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने एडिलेड टेस्ट से 2 दिन पहले कहा है कि वे किसी भी पोजिशन पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। बुधवार को राहुल से उनकी फेवरेट बैटिंग पोजिशन पर सवाल किया गया था। वे ओवल मैदान पर प्रैक्टिस के बाद मीडिया से बातचीत की।

32 साल के केएल राहुल से जब पूछा गया कि आप किस बैटिंग पोजिशन में सहज हैं तो उन्होंने कहा- 'कहीं भी...मैं पहले भी कह चुका हूं कि मैं बस प्लेइंग-11 में रहना चाहता हूं। टीम में आप मुझे कहीं भी फिट कर दीजिए। मैं बस टीम के लिए खेलना चाहता हूं।

क्या आपको आपकी बैटिंग पोजिशन के बारे में बताया गया है...? इस सवाल के जवाब में राहुल ने मुस्कुराते हुए कहा- हां, लेकिन यह भी कहा गया है कि मैं आप लोगों से शेयर न करूं।

केएल राहुल ने आगे बोलते हुए कहा-

मैंने बैटिंग ऑर्डर में बदलाव के मेंटल चैलेंज से पार पा लिया है। मैंने कई स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे पहले यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, न सिर्फ तकनीकी रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी। बल्लेबाजी क्रम बदलने से मैं सोचता था कि शुरुआती 20-25 गेंदों को कैसे खेलना है। मैं कितनी जल्दी आक्रामक हो सकता हूं? मुझे कितना सावधान रहने की आवश्यकता है? ये चीजें थीं जो शुरू में मुश्किल थीं।

राहुल की बैटिंग पोजिशन पर सवाल क्यों?

राहुल ने पर्थ टेस्ट में रोहित की गैरमौजूदगी में ओपनिंग की थी। उन्होंने पहली पारी में 74 बॉल 26 और दूसरी पारी में 176 बॉल पर 77 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी की थी। अब कप्तान रोहित शर्मा टीम से जुड़ चुके हैं। उनके आने से सवाल उठ रहे हैं यशस्वी के साथ ओपन कौन करेगा? केएल राहुल या फिर रेग्युलर ओपनर रोहित शर्मा। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि रोहित शर्मा पिछली 5 पारियों से फिफ्टी नहीं लगा सके हैं। वे 39 रन की बना सके हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले का विरोध

इंदौर में RSS की रैली में 2.5 लाख लोग जुटे; कर्नाटक और तमिलनाडु में भी प्रदर्शन

- बांग्लादेशियों के इलाज से अस्पतालों का इनकार

इंदौर. बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ देश के कई हिस्सों में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, उज्जैन समेत सभी जिलों में कई व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर विरोध जताया गया। RSS ने दावा किया है कि इंदौर रैली में ढाई लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार को हिंदू हितरक्षण वेदिके धरना किया। वहीं, तमिलनाडु के चेन्नई में बांग्लादेश हिंदू अधिकार

पुनर्प्राप्ति समिति ने विरोध-प्रदर्शन किया, इसमें कई हिंदू संगठन शामिल रहे. ब्रिटिश संसद में भी बांग्लादेश में हिंसा की गूंज सुनाई दी। विपक्षी दल कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद हिंदुओं का सफाया (एथनिक क्लींजिग) करने की कोशिश हो रही है। इंदौर में प्रदर्शन में पहुंचीं पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने कहा- जिहादियों अपनी मर्यादा में रहो। वरना ईंट से ईंट बजाना भारत जानता है।

हिंसा के विरोध में त्रिपुरा और कोलकाता के अस्पताल बांग्लादेशियों का इलाज करने से मना कर चुके हैं। त्रिपुरा के ILS अस्पताल ने शनिवार को बांग्लादेशियों का इलाज करने से इनकार कर दिया था।

वहीं, कोलकाता के सिलीगुड़ी में डॉ शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लीनिक में तिरंगा लगाकर मैसेज लिखा था- भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारी मां की तरह है। कृपया चैंबर में एंट्री करने से पहले तिरंगे को सलाम करें। खासकर बांग्लादेशी मरीज, अगर वे सलाम नहीं करते हैं, तो उन्हें अंदर आने नहीं दिया जाएगा।

ऑडी सवार ने युवक को 3KM तक बोनट पर घसीटा

- पहले बाइक को टक्कर मारी
- विरोध करने पर मारपीट की

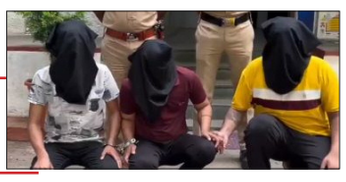

पुणे. पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक ऑडी कार सवार ने बोनट पर मोटरसाइकिल सवार को 3 किलोमीटर तक घसीटा। घटना 1 दिसंबर को बीजानगर इलाके में हुई थी, जिसका वीडियो मंगलवार को सामने आया। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल चालक जचेरिया मैथ्यू को पहले कार सवार ने टक्कर मारी। टक्कर मारने के बाद कार चालक और उसके दो साथियों ने गाली गलौज शुरू कर दी। तीनों कार सवारों ने मैथ्यू और उसके दोस्त के साथ मारपीट भी की। उनमें से एक ने मैथ्यू पर हमला कर उसे बोनट पर गिरा दिया। इसके बाद उसे तीन किलोमीटर तक घसीटा। मोटरसाइकिल चालक ने अपने साथ हुई घटना की शिकायत पुलिस में कराई। पुलिस ने ऑडी चालक कमलेश पाटिल सहित उसके दो दोस्तों हेमंत म्हालस्कर और प्रथमेश दराडे को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है।

AAP विधायक नरेश बालियान बेल मिलते ही फिर अरेस्ट

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है. बुधवार को कोर्ट ने नरेश बालियान जबरन वसूली मामले में जमानत दे दी थी, लेकिन इसी बीच दिल्ली पुलिस ने उन्हें MCOCA में फिर से गिरफ्तार कर लिया. जबरन वसूली मामले में आज बुधवार को बालियान की तीन दिन की कस्टडी पूरी होने पर उन्हें राउस एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया.

पुलिस ने एक नया आवेदन दायर कर बालियान को न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह किया. साथ ही महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज एक अन्य मामले में उनकी फिर से गिरफ्तारी की मांग की. कोर्ट ने बालियान को जबरन वसूली मामले में 50 हजार के मुचलके और एक जमानती की शर्त पर जमानत दे दी. लेकिन इसी के बाद पुलिस ने उन्हें मकोका मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया.

असम में गोमांस खाना और परोसना बैन

- CM हिमंत बिस्वा सरमा का आदेश

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि राज्यभर के होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस न तो खाया जाएगा और न ही परोसा जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। बिस्वा के आदेश पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम कांग्रेस को इस फैसले का स्वागत करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गोमांस मत खाओ या पाकिस्तान चले जाओ।

बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गोमांस सेवन पर मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। सरमा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है।''

सरमा ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने तीन साल पहले गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून पास किया था। अब हमने पूरे राज्यभर में गोमांस खाने पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। यह आदेश सभी होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक आयोजनों में लागू होगा।

उन्होंने कहा कि पहले हमने मंदिर के पांच किलोमीटर दूर तक गोमांस खाने या परोसने पर बैन लगाया था, लेकिन अब नए आदेश में हम इस आदेश को पूरे राज्य में जारी कर रहे हैं।

गोमांस मत खाओ या पाकिस्तान चले जाओ

हिमंत बिस्वा के आदेश पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने ट्वीट किया है, उन्होंने असम कांग्रेस को गोमांस पर प्रतिबंध का स्वागत करने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं असम कांग्रेस को चुनौती देता हूं कि वह गोमांस पर प्रतिबंध का स्वागत करें या पाकिस्तान में जाकर बस जाएं।"

संक्षेप...

अलीबाग बीच पर पर्यटक की मछुआरों ने कर दी हत्या

मुंबई. नवी मुंबई अलीबाग बीच पर चट्टानों पर बीयर की बोतल तोड़ने को लेकर हुए मामूली झगड़े के बाद पेण के एक पर्यटक की स्थानीय मछुआरों ने हत्या कर दी।

रायगढ़ पुलिस ने पर्यटक की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज रमन जयगढ़कर, प्रथमेश शेखर गोडेका, प्रमोद किसान सातविलकर और ओमकार भुकवार के रूप में हुई है। उनका पांचवां साथी फरार है।

मृतक की पहचान मितेश पाटिल (27) के रूप में हुई है, जो अपने दोस्त प्रथमेश पाटिल (27) के साथ अलीबाग के वरसोली गांव में आयोजित वार्षिक फन फेयर देखने आया था। मेले में जाने के बाद, दोनों ने बीच पर जाने का फैसला किया और एक स्थानीय स्टोर से खाना और बीयर की बोतलें मंगवाईं।

देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री

■ **शिंदे बोले- और कौन शपथ लेगा, फैसला शाम तक**

■ **अजित ने टोका- मैं शपथ लूंगा, तय है**

मुंबई. देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, NCP लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे।

इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कल 5:30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा।

देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, NCP लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे।

इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कल 5:30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा।

■ **अजित की बात पर हंस पड़े सभी नेता**

मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा- कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है। इन लोगों का शाम तक तय होगा पर मैं तो कल शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है।

■ **फडणवीस बोले- हम तीनों एक**

देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये शाम तक बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था।

■ **शिंदे बोले- इस बार मैं फडणवीस का नाम ले रहा हूं**

एकनाथ शिंदे ने कहा- मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं।

राज्यपाल ने भी दे दिया सरकार बनाने का न्यौता

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह होना है। इस बीच देवेंद्र फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना जा चुका है। विधायक दल का नेता चुने के बाद देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचे। इस दौरान राज्यपाल से उन्होंने मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने महायुति के नेताओं को सरकार बनाने का न्यौता दे दिया है। राज्यपाल द्वारा सरकार बनाने का न्यौता दिए जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एकनाथ शिंदे को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने समर्थन पत्र दिया है। वहीं एनसीपी के अजित पवार ने भी अपना समर्थन पत्र दिया है।

शपथ ग्रहण को लेकर आजाद मैदान छावनी में तब्दील

■ **खास टी-शर्ट पहनकर जाएंगे BJP-NCP कार्यकर्ता?**

मुंबई. महाराष्ट्र के मुंबई मेंआजाद मैदान में आज (5 दिसंबर) महायुति गठबंधन के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होगा. उससे पहले मुंबई पुलिस ने आजाद मैदान और आसपास की जगहों को छावनी में बदल दिया है. शपथ ग्रहण समारोह के दौरान होने वाली भीड़ को लेकर मुंबई पुलिस ने ढाई हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती की है. शपथ ग्रहण समारोह के दौरान 10 पुलिस उपायुक्त, 20 सहायक पुलिस आयुक्त, 100 पुलिस निरीक्षक, 150 सहायक और पुलिस उप-निरीक्षक सहित 1500 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यटी भी लगाई गई है.

इसके साथ ही सशस्त्र पुलिस बल, टास्क फोर्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियां को भी तैयार किया गया

है. आज (4 दिसंबर) और कल आजाद मैदान क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है और पूर्व दिशा की ऊंची इमारतों पर भी पुलिस तैनाती रहने वाली है. इसके अलावा ड्रोन के जरिए भी पुलिस की पैनी नजर रहने वाली है.

'एक हैं तो सेफ हैं' की टी-शर्ट पहने नजर आएंगे कार्यकर्ता

महायुति के शपथ ग्रहण समारोह में कार्यकर्ता 'एक हैं तो सेफ हैं' और 'बटेंगे तो कटेंगे' की टी-शर्ट पहने नजर आएंगे. महायुति के शपथ ग्रहण समारोह में करीब 10,000 बीजेपी कार्यकर्ता 'एक हैं तो सेफ हैं' और 'बटेंगे तो कटेंगे' के स्लोगन वाली टी-शर्ट पहनेंगे. बीजेपी अपनी जीत के पीछे इस नारे को महत्वपूर्ण मानती है. इसके अलावा एनसीपी के कार्यकर्ता गुलाबी टी-शर्ट और गुलाबी पगड़ी पहनकर शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पहुंचेंगे. एनसीपी ने चुनाव प्रचार में गुलाबी रंग का जमकर इस्तेमाल किया था, जिसको लेकर विरोधियों ने खूब टिप्पणी भी की थी. पार्टी ने महिलाओं को गुलाबी साड़ी और गुलाबी पगड़ी पहनने का आदेश दिया गया है.

भव्य होगा शपथ ग्रहण, शामिल होंगे साधु-संत, PM मोदी समेत VVIP में कई नाम

मुंबई. महाराष्ट्र में CM के नाम का ऐलान हो जाने के बाद शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज हो गई है। आज 5 दिसंबर को महाराष्ट्र में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़ी हस्तियां शिरकत करने जा रही हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और BJP शीर्ष नेतृत्व के अलावा कई नेता शामिल होंगे।

■ **जोरों पर शपथ ग्रहण की तैयारियां**

शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी भी जोरों पर है। मंगलवार (3 दिसंबर) को महायुति के घटक दलों के नेता शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लेने आजाद मैदान पहुंचे।

■ **कौन-कौन होगा शामिल?**

5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में शपथ ग्रहण का कार्यक्रम होगा। जानकारी के अनुसार समारोह में

70 से ज्यादा VVIP नेता शामिल होंगे। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, BJP अध्यक्ष JP नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कैबिनेट के कई सहयोगियों को निमंत्रण किया गया है। साथ ही BJP शासित राज्य के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्री को भी न्योता भेजा गया है। इसके अलावा शपथ ग्रहण के लिए साधु संतो को निमंत्रित किया गया है। समारोह में अलग अलग समाज के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है।

उत्तर भारतीय समाज संस्था ने किया

विधायक महेश चौघुले को मंत्री बनाने की मांग

■ **उ.भा. समाज सेवा संस्था द्वारा विधायक चौघुले का सत्कार**

भिवंडी. उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था भिवंडी की तरफ से तीसरी बार भिवंडी पश्चिम से महेश चौघुले को भाजपा विधायक चुने जाने पर सत्कार करते हुए भिवंडी के विकास की खातिर उन्हें मंत्री बनाने की मांग भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से किया है. संस्थाध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा नवनिर्वाचित भाजपा विधायक महेश चौगुले का शाल, श्रीफल,पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिनंदन किया गया.उक्त अवसर पर उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था अध्यक्ष ठाकुर कृष्ण गोपाल सिंह,पदाधिकारी एड प्रवीण मिश्रा, मनोज सिंह, उदयराज सिंह, बालमुकुंद शुक्ला, अजीत सिंह, पी डी यादव,बृजेश पांडे,रवि सिंह,विजय मिश्र,मनोज राय,शिवम झा,विनोद मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था संस्थापक अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह दादा ठाकुर ने कहा कि भिवंडी के इतिहास में आज तक किसी भी राजनीतिक दाल का कोई उम्मीदवार जीत की हैट्रिक नहीं लगा पाया है.भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र कार्यसम्राट भाजपा विधायक महेश चौघुले ने प्रचंड मतों से जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड कायम किया है. विगत 3 दशक से भिवंडी से जीत कर कोई भी विधायक प्रदेश में आज तक मंत्री नहीं बना, इसलिए भिवंडी का विकास आधा अधूरा है. यदि भिवंडी शहर के विकास को लेकर भाजपा के नेता गंभीर है तो उन्हें इस बार प्रचंड जीत के साथ बनने जा रही महायुति की सरकार में भिवंडी पश्चिम से भाजपा विधायक महेश चौघुले को मंत्रिमंडल में मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए.विधायक महेश चौगुले एक तेजतर्रार युवा विधायक हैं जो भिवंडी शहर के विकास को तेज गति से आगे ले जा सकते हैं.विधायक चौगुले ही बर्बादी की कगार पर खड़े एशिया के मैनचेस्टर कहे जाने वाले भिवंडी के पावरलूम उद्योग में नई जान डालने का कार्य एवं शहर का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं.

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगों के लिए रोजगार मेले का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर स्वर्गीय राजैया गाजेंगी सभागार में 18 से 35 वर्ष के मूक-बधिर एवं शारीरिक रूप से दिव्यांगों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया रोजगार मेले का उद्घाटन भिवंडी मनपा आयुक्त एवं प्रशासक अजय वैद्य ने किया.इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग उपायुक्त डॉ.अनुराधा बाबर, जिला उद्यम केंद्र तालुका समन्वयक ज्ञानेश्वर राठौड़, यूथ फॉर जॉब्स के प्रतिनिधि सूर्यकांत फड़के, प्रियाली डेकाटे, समीर भोसले और प्रवीण धनावड़े और समाज कल्याण

विभाग सहायक आयुक्त मिलिंद पलसुले, समाज कल्याण विभाग प्रमुख नितेश राष्ट्रीय नागरिक रोजगार विभाग के चौधरी, दीनदयाल उपाध्याय योजना समन्वयक कैलास पाटिल सहित अन्य विभागों के प्रमुख उपस्थित थे.मनपा समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित रोजगार मेला में दिव्यांग रोजगार मेला में कुल 93 लाभार्थियों ने अपना पंजीकरण करा लिया है और इन 93 लाभार्थियों को जल्द ही उनकी शैक्षिक क्षमता के अनुसार अमेज़ॅन और बिग बास्केट में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे.

नई सरकार के गठन के बाद नागपुर में 16 से 21 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र

मुंबई. महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन के बाद विधानमंडल का पहला शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित होगा जो 16 से 21 दिसंबर तक चलेगा। खबर है कि विधानमंडल के इस सत्र में प्रश्नोत्तर से लेकर के कुछ विधेयक भी पारित किए जा सकते हैं। शीतकालीन सत्र के लिए नागपुर में तैयारियां जोरों से शुरू हो गई हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री एवं दोनों उप मुख्यमंत्रियों के अलावा मंत्रियों के बंगलों को भी सजाने संवारने का काम शुरू हो चुका है। इससे पहले नवनिर्वाचित विधायकों की शपथ ग्रहण महाराष्ट्र विधान भवन में 7 और 9 दिसंबर को मुंबई

में होगा। विधान भवन के एक अधिकारी ने बताया कि 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू होने वाले अधिवेशन के लिए प्रश्न उत्तर भी रखे गए हैं। हालांकि इसकी संख्या ज्यादा नहीं होगी।

वहीं मुंबई की तरह नागपुर विधान भवन का कामकाज पेपरलेस करने के लिए डिजिटलीकरण का काम पूरा हो गया है। अब दोनों सदनों के अंदर विधायकों की टेबल पर लैपटॉप नुमा स्क्रीन लगाई गई है जिन पर एक क्लिक करने पर सभी जानकारी उपलब्ध हो सकेंगी। इससे पहले मुंबई में दो दिनों तक नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया है, जो 7 और 9 दिसंबर को होगा। इस विशेष सत्र में नवनिर्वाचित विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। इससे पहले 5 दिसंबर को महाराष्ट्र की नई सरकार का गठन होने जा रहा है, जिसमें नए मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री शपथ लेंगे।

सोने की रोलिंग मशीन गिरने से 19 वर्षीय एक कारीगर की मौत

मुंबई. झवेरी बाजार में एक आभूषण बनाने वाली इकाई में सोने की रोलिंग मशीन गिरने से 19 वर्षीय एक कारीगर की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि जब इकाई के दो कर्मचारी आपस में लड़ रहे थे, तो उनमें से एक कथित तौर पर मशीन पर गिर गया, जिससे मशीन पीड़ितों पर गिर गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोने के आभूषण बनाने वाली इकाई में रात करीब 11 बजे हुई। अपनी शिफ्ट के बाद, श्रमिकों ने इकाई में मशीनों को ढक दिया और सोने चले गए।

एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आठ कर्मचारी सो रहे थे, जब उनमें से दो के बीच कथित तौर पर मामूली, दोस्ताना झगड़ा हुआ। उनमें से एक को सोने की रोलिंग मशीन पर धकेल दिया गया, जिसमें स्टील का फ्रेम था, और यह मृतक अनुपम घोष के सिर पर गिर गई और 23 वर्षीय सौम्या रॉय घायल हो गईं, जो दोनों इसके पास सो रहे थे।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM BADGA BHIMJI ASHABHAI TO BHIMJI ASHABHAI BADGA AS PER GOVERNMENT OF MAHARASHTRA GAZETTE NO. M-24212811 DT. OCTOBER 3-9, 2024.

शुभम टॅक्स अँड लाइनर प्रायव्हेट लिमिटेड

ड्रायवरच्या आवश्यकता आहे

- **पदाचे नाव:** चालक (Driver)
- **रिपोर्टिंग:** एक्झिक्युटिव्ह असिस्टंट **कामाचे ठिकाण:** ठाणे
- **पदाचा प्रकार:** १ वर्षांचा करारावर आधारित
- **पदासाठी नवीन/स्थानापन्न:** ठाणे
- **पात्रता व अनुभव:** ५ - १५ वर्षांचा अनुभव (एसएससी/एचएससी उत्तीर्ण)

मुख्य जबाबदाऱ्या

- मालकाच्या गाडीचे (स्वयंचलित कार) ड्रायव्हिंग करणे.
- गाडीची अंतर्गत स्वच्छता करणे. कार्यालयीन कामे देखील जबाबदारीत समाविष्ट असतील.
- **इच्छित पात्रता** - ५ - १५ वर्षांचा ड्रायव्हिंगचा अनुभव.
- **वय:** ३० - ४० वर्षे.

ठाणे व आसपास राहणारे उमेदवार प्राधान्य. दारू/धूम्रपानाची सवय नसावी.

कामाचे तास व वेतन

- **कामाचे वेळ:** सकाळी ८:३० ते रात्री ८:३० (रविवार सुट्टी).
- **वेतन:** १८,००० - २२,०००.
- **ओव्हरटाइम:** प्रति तास वेतनानुसार.
- **वेतन जमा होण्याची तारीख:** दर महिन्याच्या १ तारखेला.

इतर महत्त्वाची माहिती

पिक-अप पॉइंट: दोस्ती इम्पीरिया, माणपाडा, ठाणे पश्चिम. विश्वसनीय, प्रामाणिक व जबाबदार उमेदवार हवा.

संपर्क 8291920072

जान्हवी ने पहनी रूमर्ड बॉयफ्रेंड के नाम की टी-शर्ट

■ **इससे पहले पेंडेंट पहने दिखीं थी एक्ट्रेस**

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया के डेटिंग की खबरें काफी समय से सामने आ रही हैं। अक्सर दोनों को पार्टी और इवेंट में साथ देखा जाता है। दोनों की तस्वीरें और वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। इसी बीच जान्हवी रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के नाम और फोटो वाली कस्टमाइज्ड सफेद टी-शर्ट पहने नजर आई हैं। एक्ट्रेस की फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इससे पहले भी एक्ट्रेस को बॉयफ्रेंड के नाम का पेंडेंट पहने देखा गया था।

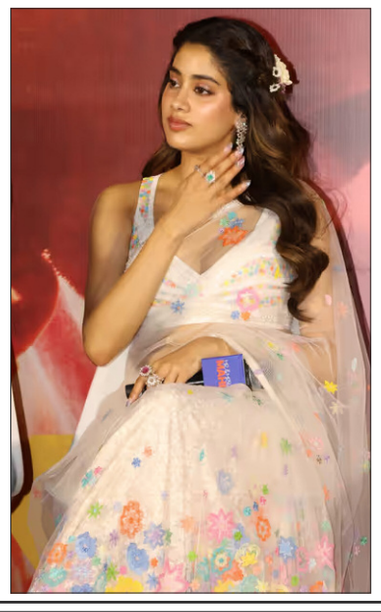

कौन हैं शिखर पहाड़िया?

शिखर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। जान्हवी और शिखर एक दूसरे को बहुत पहले से जानते हैं। शिखर और जान्हवी के रिश्ते के बारे में लोगों को तब पता चला था, जब कॉफी विद करण के एक एपिसोड में करण जौहर ने इस बात का जिक्र किया था। करण ने जान्हवी और सारा अली खान से कहा था कि एक समय था जब दोनों (सारा और जान्हवी) दो सगे भाईयों को डेट करती थीं। ये दोनों सगे भाई कोई और नहीं बल्कि देश के गृह मंत्री रह चुके सुशील कुमार शिंदे के पोते शिखर और वीर पहाड़िया ही थे।

कस्टमाइज्ड सफेद टी-शर्ट पहने नजर आईं जान्हवी

वरुण धवन के साथ जान्हवी कपूर की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फोटोज में दोनों नासिक के एक लक्जरी होटल के वर्कर्स के साथ पोज देते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान जान्हवी कपूर अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के नाम और फोटो वाली एक टी-शर्ट में नजर आईं। इससे पहले भी एक्ट्रेस अपने पिता बोनी कपूर की फिल्म मैदान की स्क्रीनिंग में रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के नाम का पेंडेंट पहने नजर आई थीं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099